प्रकाशनार्थ

पटना, 5 मई। 15वें वित्त आयोग को दिए जाने वाले स्मारपत्र की रूपरेखा तैयार करने पर विचार के लिए आज सभी राजनीतिक दलों, पेशावरों तथा अकादमिक संगठनों की एक बैठक बिहार विधानसभा पुस्तकालय में आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता बिहार विधान सभा के अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी ने की। बैठक में सर्वश्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, आर.सी.पी. सिंह और संजय गांधी ने जद (यू) का, राणा रणधीर सिंह, देवेश कुमार और नीतीश मिश्र ने भाजपा का, अब्दुल बारी सिद्दिकी और शिवानंद तिवारी ने राजद का, शकील अहमद खान और कमलेंद्र कुमार ने कांग्रेस का और वृषिण पटेल ने हम (एस) का प्रतिनिधित्व किया। बैठक में माकपा के अवधेश सिंह, सीपीआई के सत्यनारायण सिंह तथा लोजपा, रालोसपा, भाकपा (माले), बसपा आदि दलों के भी प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में बिहार सरकार के वित्त विभाग की प्रधान सचिव सुश्री सुजाता चतुर्वेदी और व्यय सचिव श्री राहुल सिंह ने वित्त विभाग का प्रतिनिधित्व किया।

बैठक में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री सत्यजीत सिंह तथा बिहार उद्योग संघ के उपाध्यक्ष भी उपस्थित थे। बिहार चैंबर के अध्यक्ष भी बैठक में उपस्थित थे।

पटना विश्वविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय, चाणक्य विधि विद्यालय, अनुग्रह नारायण सिन्हा समाज विज्ञान संस्थान जैसे सभी प्रमुख अकादमिक संस्थानों के प्रनिनिधियों ने भी बैठक में भाग लिया और बिहार के वित्तीय हितों के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए।

12वें वित्त आयोग के समय से ही आद्री सभी राजनीतिक दलों को एक मंच पर लाने का प्रयास करता रहा है जिससे सभी राजनीतिक दलों के संयुक्त स्मारपत्र में बिहार के हित पर्याप्त रूप से अभिव्यक्त हों।

बैठक में सभी राजनीतिक दलों में इस बात को लेकर मतैक्य था कि संयुक्त स्मारपत्र के लिए यह पहल बिहार के हित में अतिवांछित है और सुनिश्चित करेगी कि 15वें वित्त आयोगद्वारा बिहार राज्य के लिए धनराशि और कर प्रतिनिधान की अनुशंसा के लिएआयोग के समक्ष सबका संयुक्त प्रतिनिधित्व हो।

विधान सभाध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी ने आयोजन के लिए आद्री और शैबाल गुप्ता को बधाई देते हुए कहा कि उनका हमेशा से विश्वास रहा है कि ऐसी पहल राज्य के हितों को आगे लाने के लिए लोगों को एक साथ लाती है। बैठक में बोलते हुए श्री बिजेंद्र यादव ने जोर दिया कि बिहार विभाजन और प्राकृतिक

ASIAN DEVELOPMENT RESEARCH INSTITUTE
BSIDC Colony, Off Boring-Patliputra Road, Patna - 800 013, Tel. : 0612-2575649, Fax : 0612-2577102
E-mail : adripatna@adriindia.org / adri_patna@hotmail.com, Website : www.adriindia.org

आपदाओं के कारण ऐतिहासिक रूप से पीड़ित रहा है और राज्य की परिस्थितियों की मांग है कि बिहार को विशेष श्रेणी की प्रस्थिति और पैकेज प्रदान करने पर केंद्र सरकार को विचार करना चाहिए।

बैठक में बोलते हुए पूर्व वित्त मंत्री श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी ने कहा कि मानव विकास के लिए विशेष आबंटनों और अनुदानों की मांग करते समय अधिक सतर्क दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए जिनसेसंबंधित सूचकों के मामले में बिहार ऐतिहासिक रूप से पिछड़ा रहा है। वहीं, श्री शिवानंद तिवारी ने जोर दिया कि यह अनुदानों के आबंटन की प्रविधि पर दुबारा नजर डालने और उसे जनसंख्या तथा जनसांख्यिक बाध्यताओं के साथ जोड़ने के लिहाज से एक अवसर है।

जद (यू) के श्री आर.सी.पी. सिंह ने राज्य की ऐतिहासिक प्रतिकूलताओं के मद्देनजर बिहार के लिए विशेष श्रेणी की प्रस्थिति प्रदान करने और विशेष प्रावधान करने पर विचार करने की जरूरत पर बल दिया। वहीं, कांग्रेस विधायक श्री शकील अहमद खान ने स्मारपत्र में शिक्षा और स्वास्थ्य देखरेख पर अधिक समर्पण के साथ ध्यान दने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार की विकास गाथा इसके लोगों से प्रतिबिंबित नहीं होती है क्योंकि लोगों का बड़ा हिस्सा अभी भी विभिन्न मानव विकास सूचकों के लिहाज से काफी पीछे है और सामाजिक क्षेत्रों के प्रति समग्रतापूर्ण दृष्टिकोण के जरिए ही इसे दूर किया जा सकता है। माकपा के श्री अवधेश सिंह ने कहा कि चूंकि केंद्र और राज्य सरकारें एक ही जनता के द्वारा चुनी जाती है इसलिए राज्यों और केंद्र के बीच अलगाव का रुख न तो बुद्धिमत्तापूर्ण है न उचित। उन्होंने अनुदान शब्द पर पुनर्विचार करने पर जोर दिया और कहा कि बेहतर हो कि इसे आबंटन कहा जाना चाहिए क्योंकि अनुदान स्वामी और सेवक के संबंध को व्यक्त करते हैं जो संघीय ढांचे के हित में नहीं है।

Anjani Kumar Verma

(अंजनी कुमार वर्मा)

ASIAN DEVELOPMENT RESEARCH INSTITUTE
BSIDC Colony, Off Boring-Patliputra Road, Patna - 800 013, Tel. : 0612-2575649, Fax : 0612-2577102
E-mail : adripatna@adriindia.org / adri_patna@hotmail.com, Website : www.adriindia.org